9

नन्ही बूँदें

हम बादल की नन्ही बूँदें,
निर्मल जल की नन्ही बूँदें।
हीरे-सी, मोती-सी सुंदर,
हम आसमान से उतर-उतर,
आ जाती हैं आँखें मूँदें,
हम बादल की नन्ही बूँदें।
फूलों के मुख को धो देतीं,
पत्तों का गर्दा खो देतीं,
वह जी उठता जिसको छू दें,
हम बादल की नन्ही बूँदें।
पशु-पक्षी का मन हरषातीं,
कृषकों की खेती सरसातीं,
हम अन्न उगातीं जब कूदें,
हम बादल की नन्ही बूँदें।
छोटी पर काम क्या न करतीं,
हम बूँद-बूँद सागर भरतीं,
वह बड़ा बना जिसको छू दें,
हम बादल की नन्ही बूँदें।

–सोहनलाल द्विवेदी

शब्द-संपदा

निर्मल (clean) = साफ़ मुख (face) = मुँह गर्दा (dust) = धूल
हरषातीं (making happy) = प्रसन्न करती